● पूर्वानुभव – पहचानो और बताओ :

❋ खेत–खलिहान

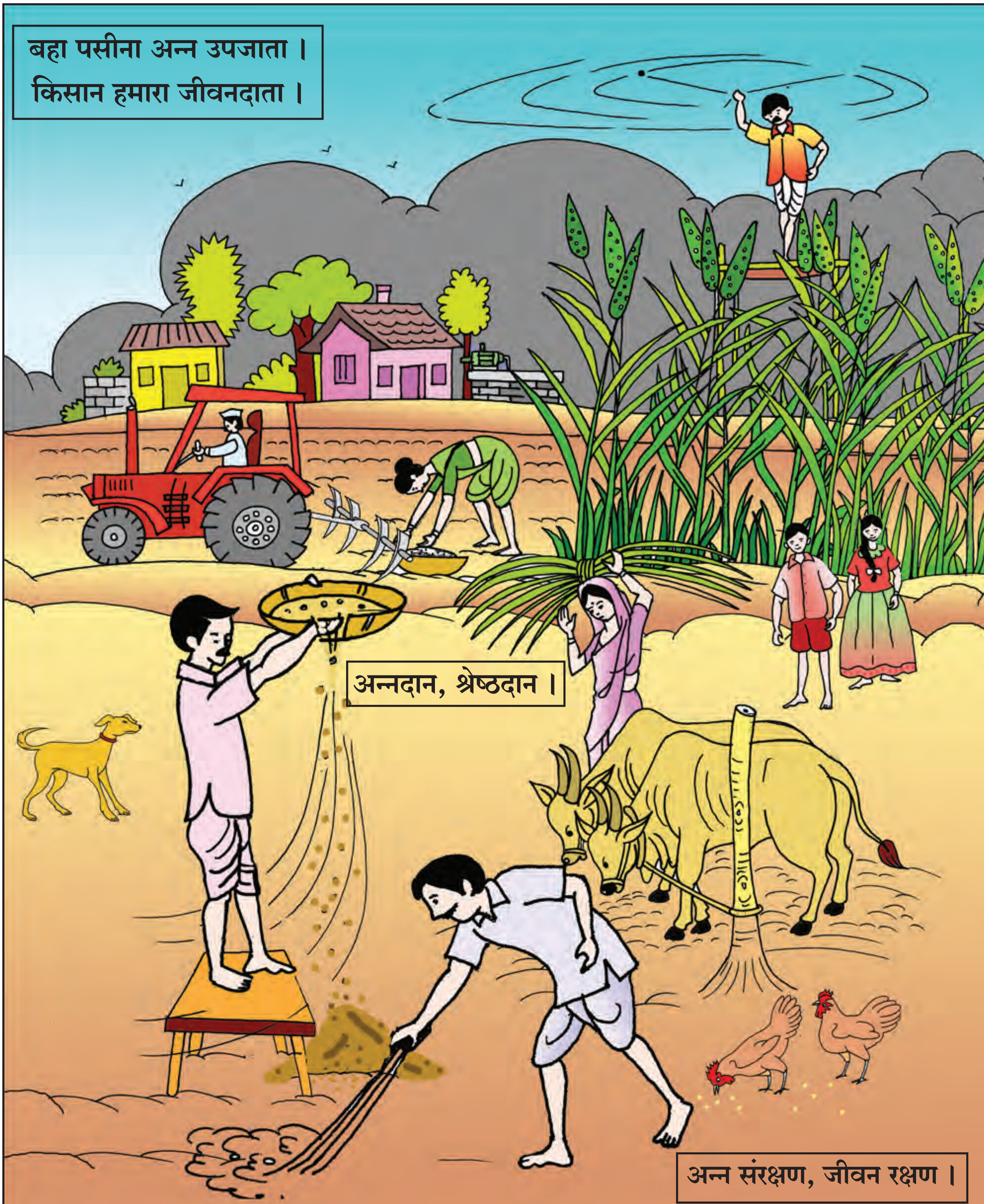

❑ दिए गए चित्रों का निरीक्षण कराएँ । बीज बोना, खाद–पानी देना, फसल पकने से ओसाई तक की प्रक्रिया पर क्रम से चर्चा कराएँ । खेती और किसान के महत्व पर विद्यार्थियों को बोलने हेतु प्रेरित करें । श्रम प्रतिष्ठा पर कोई कविता/कहानी सुनाएँ ।

• चित्रवाचन – देखो, बताओ और कृति करो :

१. खेल

❑ चित्रों का ध्यानपूर्वक निरीक्षण कराएँ । विद्‌यार्थियों से उनकी पसंद के खेलों के नाम पूछें । खेलों, खिलाड़ियों की संख्या आदि के संबंध में प्रश्न पूछकर खेल नियमित खेलने के लिए प्रेरित करें । इन्हीं प्रकार के अन्य खेलों के नाम कहलवाएँ, उनपर चर्चा करें ।

पहली इकाई

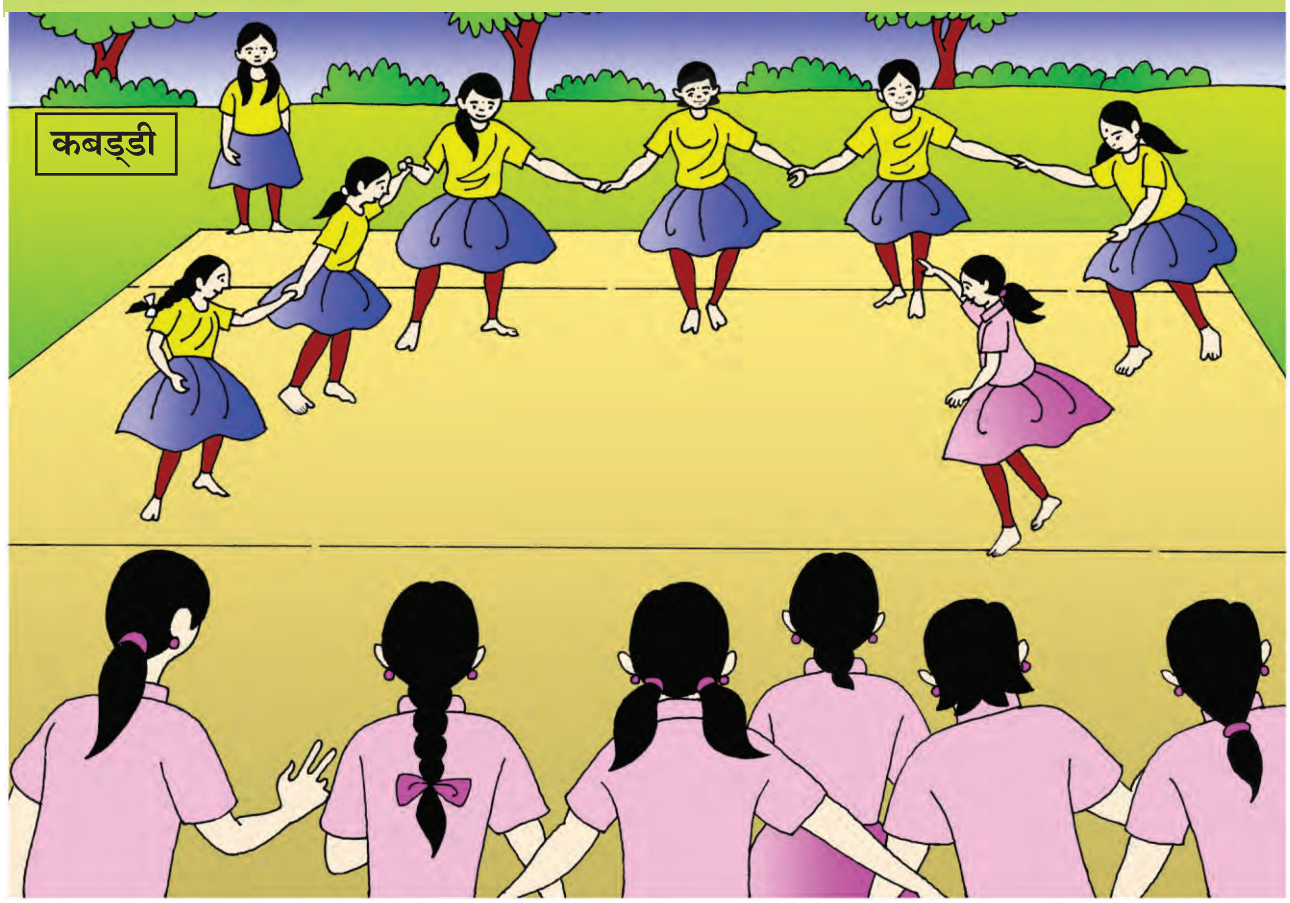

❑ खेलों का वर्गीकरण करते हुए मैदानी खेल, अंतर्गृही खेल आदि के बारे में बताएँ । जीवन में खेलों के महत्व पर विद्‌यार्थियों को बोलने हेतु प्रेरित करें । चित्रों में दिए गए वाक्यों पर उनसे चर्चा कराएँ । विद्‌यार्थियों से उनके प्रिय खिलाड़ियों के नाम पूछें ।

● **श्रवण – सुनो और गाओ :**

२. नानी जी का गाँव

हमने खूब बिताई छुट्‌टी,
नानी जी के गाँव में ।
अमराई की सघन छाँव में,
बैठ मजे से खेलें हम,
पके आम खाए जी भरकर,
हिला टहनियाँ पेड़ों की हम ।
आया खूब मजा है हमको,
नानी जी के गाँव में ।

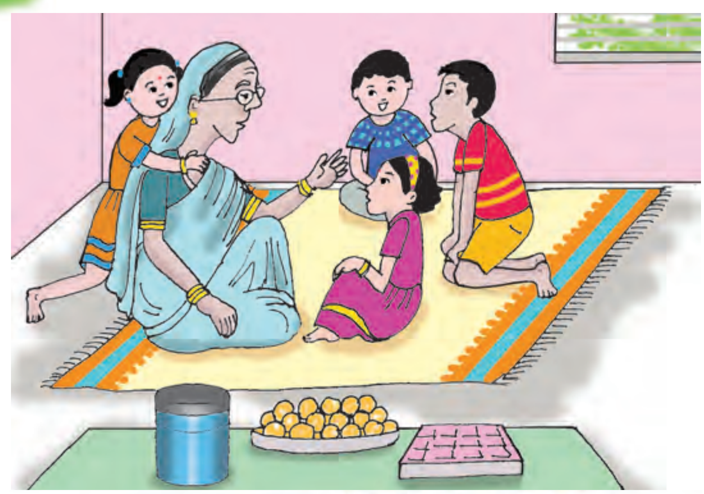

सुबह-शाम, पकवान-मिठाई,
नानी जी हर रोज खिलातीं,
अद्‌भुत कथा-कहानी मोहक,
खूब प्यार से हमें सुनातीं ।
मन हो जाता खुशबू-जैसा,
नानी जी के गाँव में ।

– डॉ. उदयराज उपाध्याय

❑ उचित हाव-भाव, लय-ताल, अभिनय के साथ कविता का पाठ करें । विद्यार्थियों से सामूहिक तथा गुट में मुखर वाचन कराएँ । उनसे नानी जी के घर के अनुभव सुनाने के लिए कहें । उन्हें नानी जी से सुनी कोई कविता, कहानी सुनाने के लिए प्रेरित करें ।

स्वाध्याय हेतु अध्यापन संकेत – प्रत्येक इकाई के स्वाध्याय में दिए गए 'सुनो', 'पढ़ो' प्रश्नों के लिए सामग्री उपलब्ध कराएँ । यह सुनिश्चित करें कि सभी विद्यार्थी स्वाध्याय नियमित रूप से कर रहे हैं । विद्यार्थियों के स्वाध्याय का 'सतत सर्वंकष मूल्यमापन' भी करते रहें ।

स्वाध्याय

१. **माँ से बालगीत/लोरी सुनो और सुनाओ ।**

२. **शब्दों की अंत्याक्षरी खेलो :**

उदा. तोता......ताली......लहर......रजनी......नदी......दीपा......पौधा......धान......

३. **कविता में आए क्रमानुसार निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़ो :**

(क) बैठ मजे से खेलें हम,

(ख) हिला टहनियाँ पेड़ों की हम ।

(ग) अमराई की सघन छाँव में,

(घ) पके आम खाए जी भरकर,

४. **एक शब्द में उत्तर लिखो :**

(च) बच्चे किसकी सघन छाँव में खेले ?

(छ) बच्चों ने जी भरकर क्या खाया ?

(ज) बच्चों को पकवान-मिठाई कौन खिलाता था ?

(झ) नानी जी बच्चों को कैसी कथा-कहानी सुनाती थीं ?

५. **चित्रों को देखकर आम से बने खाद्‍य पदार्थों को पहचानो और उनके नाम बताओ :**

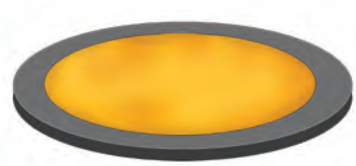

६. **अपने पड़ोस के बच्चों के साथ तुम कैसा व्यवहार करते हो, बताओ ।**

● श्रवण – सुनो और दोहराओ :

३. गौरैया : मेरी सहेली

वह घोंसला बनाती, मैं बिगाड़ती । वह मुझे देखकर फुर्र-से उड़ जाती और मैं गुस्से में आ जाती । पता नहीं, इतना जबरदस्त विरोध होने पर भी वह अपने काम से हट नहीं रही थी । वह काम में जुटी रही और मैं परेशान होती रही । इस संघर्ष में कई दिन बीत गए ।

धीरे-धीरे यह बात सारे घर में फैल गई कि मैं एक छोटी-सी चिड़िया से लड़ रही हूँ । भाईसाहब चिढ़ाते हुए पूछते, ''कौन जीता और कौन हारा ? धत् तेरे की ! थक गई, वह भी एक नन्हीं गौरैया से ?'' भाईसाहब जितना मुझे चिढ़ाते, उतना ही मेरा पारा चढ़ता ।

एक दिन भाईसाहब आए और हँसकर बोले, ''क्यों भाई, लड़ाई का क्या हाल रहा ? ऐसा लगता है, जैसे समझौता हो गया है ।'' मैंने कहा, ''भाईसाहब, अब जाने भी दीजिए । मैं तो बेचारी गौरैया पर नाहक नाराज होती रही । यह तो बड़ी हिम्मतवाली निकली । मुझे तो इससे सबक लेना चाहिए कि मुकाबला करने वाले को कोई हरा नहीं सकता ।''

भाईसाहब आश्चर्य से मुझे देखते रहे और मैं खिलखिलाकर हँस पड़ी । आज भी वह गौरैया मेरे कमरे में है । अब उसके दो बच्चे भी हो चुके हैं । मेरे कमरे में अब भी तिनके बिखरे रहते हैं । उन्हें मैं चुनकर एक कोने में रख देती हूँ । अब गौरैया मुझे बुरी नहीं लगती । उसमें मुझे साहस दिखाई देता है । गौरैया अब मेरी सहेली बन गई है ।

– हसन जमाल छीपा

❑ उचित आरोह-अवरोह, उच्चारण के साथ कहानी सुनाएँ और अनुवाचन कराएँ । विद्यार्थियों को मिलकर रहने और दूसरों की भावना का आदर करने के लिए प्रेरित करें । इसी प्रकार की कोई अन्य साहस, मित्रता संबंधी कहानी सुनाने के लिए कहें ।

स्वाध्याय

१. **किसी प्राणी की कहानी सुनाओ ।**

२. **उत्तर दो :**

(क) गौरैया क्या बनाती थी ?

(ख) लड़की का पारा क्यों चढ़ता था ?

(ग) गौरैया से कौन-सा सबक लेना चाहिए ?

(घ) गौरैया के कितने बच्चे हैं ?

३. **किसी भारतीय खिलाड़ी की जानकारी का अनुवाचन करो ।**

४. **सही (✓) या गलत (✗) चिह्न लगाओ :**

(च) वह घोंसला बनाती, मैं बिगाड़ती । (   )

(छ) भाईसाहब जितना मुझे चिढ़ाते, उतना ही मुझे आनंद आता । (   )

(ज) मैं तो नाहक बेचारी गौरैया पर नाराज होती रही । (   )

(झ) गौरैया अब मेरी दादी बन गई है । (   )

५. **चित्रों को देखकर पक्षियों को पहचानो और उनके नाम बताओ :**

६. **तुम्हारा बनाया हुआ चित्र प्रदर्शनी में लगाना है । बस्ते से निकालते समय चित्र फट गया तो तुम क्या करोगे ?**

● श्रवण – सुनो और बोलो :

४. मुंबई–छोटा भारत

क्षितिज – बहुत दिन हो गए । सलीम खेलने नहीं आया ।

गुरमीत – अरे ! तुम्हें पता नहीं क्षितिज, वह तो मुंबई घूमने गया है ।

आस्था – अरे वह देखो ! मुंबई से आया मेरा दोस्त, दोस्त को सलाम करो ।

मेरी – अच्छा बताओ सलीम, मुंबई में तुमने क्या–क्या देखा ?

सलीम – मैंने मुंबई में राष्ट्रीय उद्‌यान, तारांगण, हाजीअली, माउंट मेरी और कमला नेहरू पार्क देखा । चौपाटी के समुद्री किनारे और गेट वे ऑफ इंडिया पर कबूतरों को दाना चुगाने का आनंद भी लिया ।

क्षितिज – सुना है, मुंबई में लोकल ट्रेनें चलती हैं ।

सलीम – हाँ ! आजकल लोकल के अलावा मोनो रेल भी चलती है । दिन–रात इनमें लाखों लोग यात्रा करते हैं । अलग–अलग धर्म, जाति, विभिन्न भाषा बोलनेवाले मिल–जुलकर रहते हैं । यही मुंबई की विशेषता है ।

आस्था – अरे वाह ! इसका अर्थ है कि मुंबई छोटा भारत है ।

मेरी – तुमने सच कहा, मुंबई के बारे में और बातें कल सुनेंगे ।

– कैलाश सेंगर

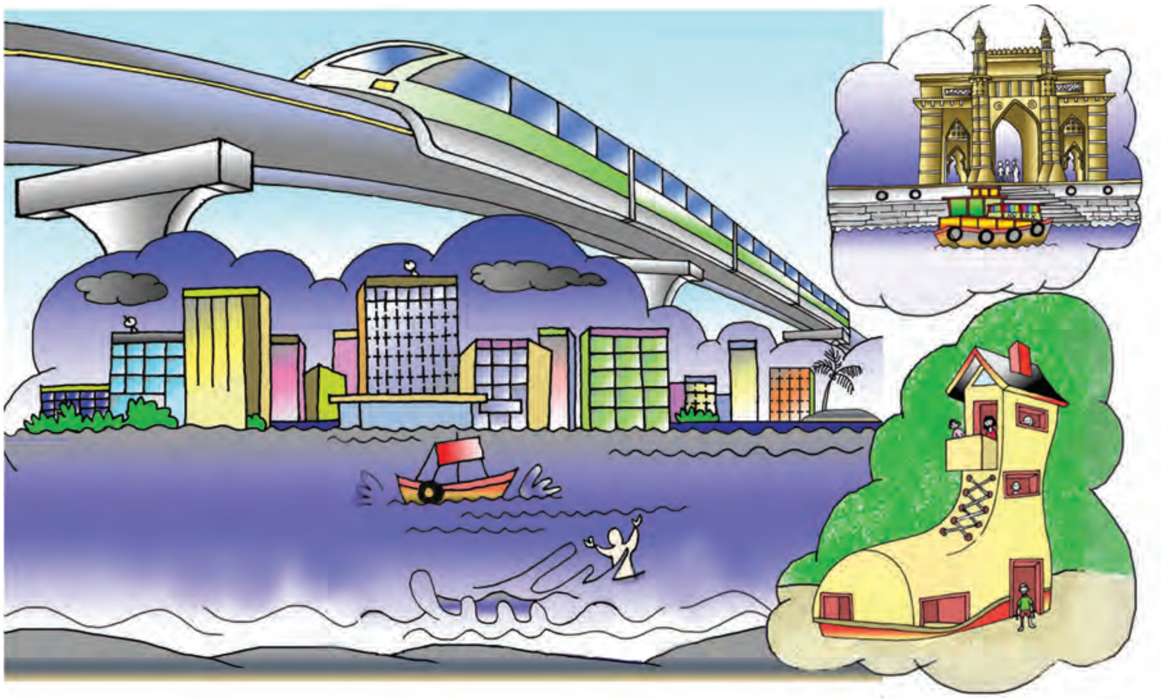

❑ दिया गया संवाद दो–तीन बार सुनाएँ और पाठ्यांश पढ़वाएँ । आवश्यकतानुसार विद्‌यार्थियों के उच्चारण में सुधार करें । उन्हें अपने जिले की महत्त्वपूर्ण बातें बताने के लिए कहें । विद्‌यार्थियों से समानता, जल साक्षरता, प्रदूषण आदि पर संवाद कराएँ ।

स्वाध्याय

१. **हाव–भाव के साथ कोई विज्ञापन सुनाओ ।**

२. **पाठशाला में वृक्षारोपण दिवस कैसे मनाया गया, बताओ ।**

३. **अपने जिले के मानचित्र का वाचन करो ।**

४. **उत्तर लिखो :**

(क) सलीम कहाँ गया था ?

(ख) 'मुंबई से आया मेरा दोस्त', किसने कहा ?

(ग) सलीम ने मुंबई में क्या–क्या देखा ?

(घ) मुंबई को छोटा भारत क्यों कहते हैं ?

५. **चित्रों को देखकर वेशभूषा पहचानो और उनके नाम बताओ :**

६. **तुमने गृहकार्य नहीं किया है । शिक्षक के कारण पूछने पर क्या कहोगे ?**

(च) सच बोलोगे कि तुम गृहकार्य करना भूल गए ।

(छ) कोई उत्तर न देकर चुप रहोगे ।

(ज) माफी माँगोगे ।

3KSJ16

● वर्णमाला – अनुवाचन करो :

3L2F2T

५. मुझे पहचानो

छ ह

ड फ

घ ट

अ द र क

आ का श

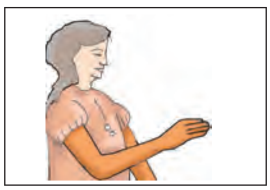

हा थ

ढ ला न

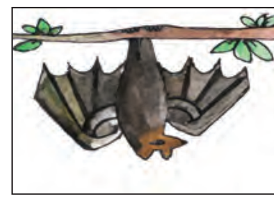

च म गा द ड़

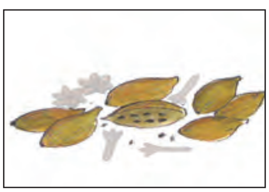

इ ला य ची

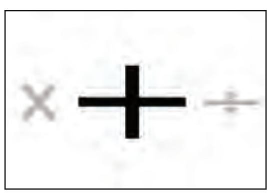

ध न

ई द

छि प क ली

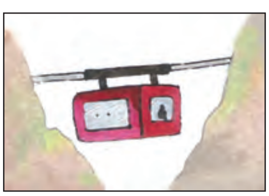

उ ड़ न ख टो ला

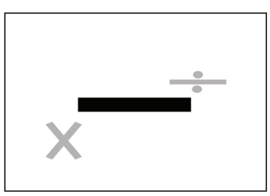

ऋ ण

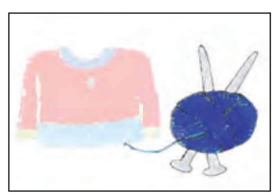

ऊ न

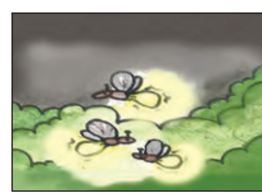

जु ग नू

वृ क्ष

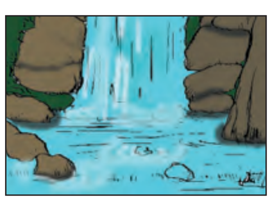

झ र ना

न भ च र

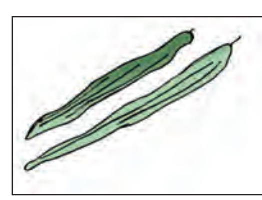

स हि ज न

पढ़ो : कम, कप, ढक, चढ़, हम, ईश, गण, नभ, गज, नथ, ऊख, ऋण, जप, इक, कनक, गरम, नरम, ऊपर, रबड़, अगर, मगर, सनक, धमक, चपल, पहर, डगर, बगल, खड़खड़, गटगट, बचपन, गड़बड़, बरगद, आगमन, आचमन, नटखट, पचपन, करधन ।

❑ चित्रों का निरीक्षण कराएँ और पहचानकर नाम बोलने के लिए कहें । विद्यार्थियों से अनुवाचन कराएँ । संपूर्ण पाठ्यसामग्री का मूल उद्देश्य वर्णमाला के वर्णों का दृढ़ीकरण करवाना है । श्रवण-वाचन का बार-बार अभ्यास और स्वयं अध्ययन अपेक्षित है ।

ए ड़ी

गु ला ब

ऐ रा व त

थै ले

ओ ढ़ नी

य ज्ञ

औ र त

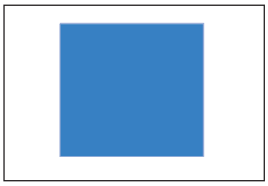

चौ को न

मेज

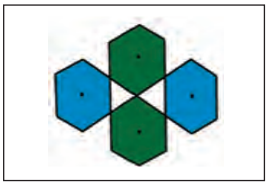

ष ट को ण

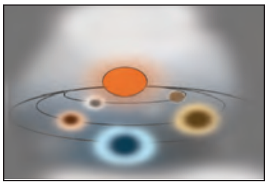

अं त रि क्ष

सं ग ण क

अँ गू ठी

कु आँ

ऑ टो

बॉ ल

प त्र

ग ठ री

ल ह सु न

श्र व ण कु मा र

ङ ञ ळ अः

पढ़ो : भन, बस, पढ़, सच, अंक, यज्ञ, त्रय, षट, ठग, पत्र, ऑन, मठ, श्रम, ओर, अंगद, सक्षम, सत्रह, श्रवण, आश्रय, आँगन, नयन, औसत, अंजन, जठर, अनय, अक्षय, अनपढ़, एकटक, भरसक, डगमग, लथपथ, उलझन, षटपद, पदपथ, सरपट, बढ़कर, झटपट, कलतक, लगभग, अचरज, तनमन, अनमन, आजकल, पलभर, मलयज, अतः, नमः, नञ् ।

❑ पृष्ठ १० और ११ के शब्द पढ़ने के लिए दिए गए हैं । विद्‌यार्थियों से सामूहिक वाचन, व्यक्तिगत मुखर वाचन करवाएँ । इन शब्दों के अर्थ बताना अपेक्षित नहीं है । पूरी वर्णमाला क्रम से कहलवाएँ । इन शब्दों का अनुलेखन एवं श्रुतलेखन करवाएँ ।

११ CMYK

● **भाषा प्रयोग – पढ़ो और अनुलेखन करो :**

६. बोध

मैंने पूरी पुस्तक पढ़ डाली ।

अर्चना ने पुस्तकें भेंट की ।

पुष्पेंद्र ने पौधा लगाया ।

क्यारी में अनेक पौधे लगे हैं ।

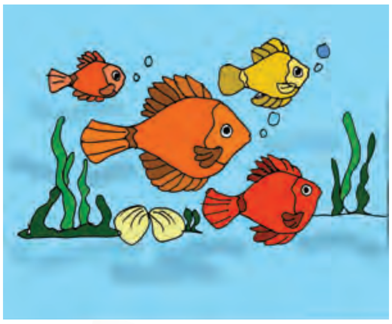

मछली जल की रानी है ।

मछलियाँ जल में तैरती हैं ।

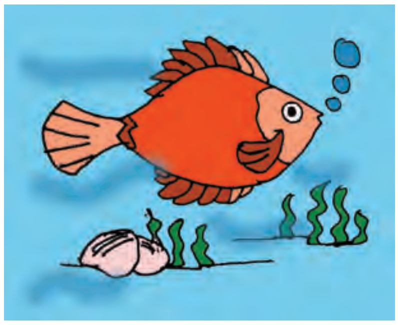

फूल सभी को अच्छा लगता है ।

गुलदस्ते में कई फूल हैं ।

मेरे पास एक सुंदर माला है ।

यहाँ मालाएँ टँगी हुई हैं ।

❑ विद्यार्थियों से वाक्यों का वाचन कराएँ । स्त्री–पुरुष और एक–अनेक के बोधवाले शब्दों पर चर्चा करें । इसी प्रकार के अन्य वाक्य कहलवाएँ । विद्यार्थियों को दैनिक व्यवहार में इनके उचित प्रयोग पर बल देने के लिए प्रेरित करें । ऐसे शब्दों की सूची बनवाएँ ।

१२ CMYK

वन में मोर नाच रहा है ।

मोरनी दाना चुगती है ।

छत पर बिलाव बैठा है ।

बिल्लियाँ दूध पी रही हैं ।

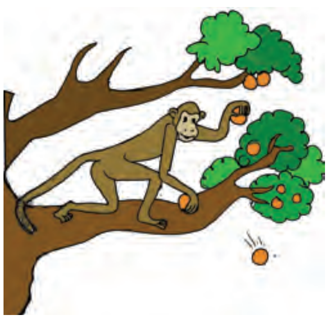

बंदर शरारती होता है ।

बंदरिया छलाँग लगा रही है ।

गाय दूध देती है ।

बैल खेत जोतते हैं ।

बाघिन शिकार करती है ।

बाघ सोया हुआ है ।

❑ एक-अनेक और स्त्री-पुरुष के बोध कराने वाले शब्दों के अन्य उदाहरण देकर वचन/लिंग का दृढ़ीकरण करवाएँ । विद्यार्थियों से पाठ्‌यपुस्तक में आए इसी प्रकार के शब्दों को ढूँढ़ने और लिखने के लिए कहें । इन शब्दों के प्रयोग पर ध्यान आकर्षित करें ।

● आकलन – अंतर बताओ :

७. महाराष्ट्र की बेटी

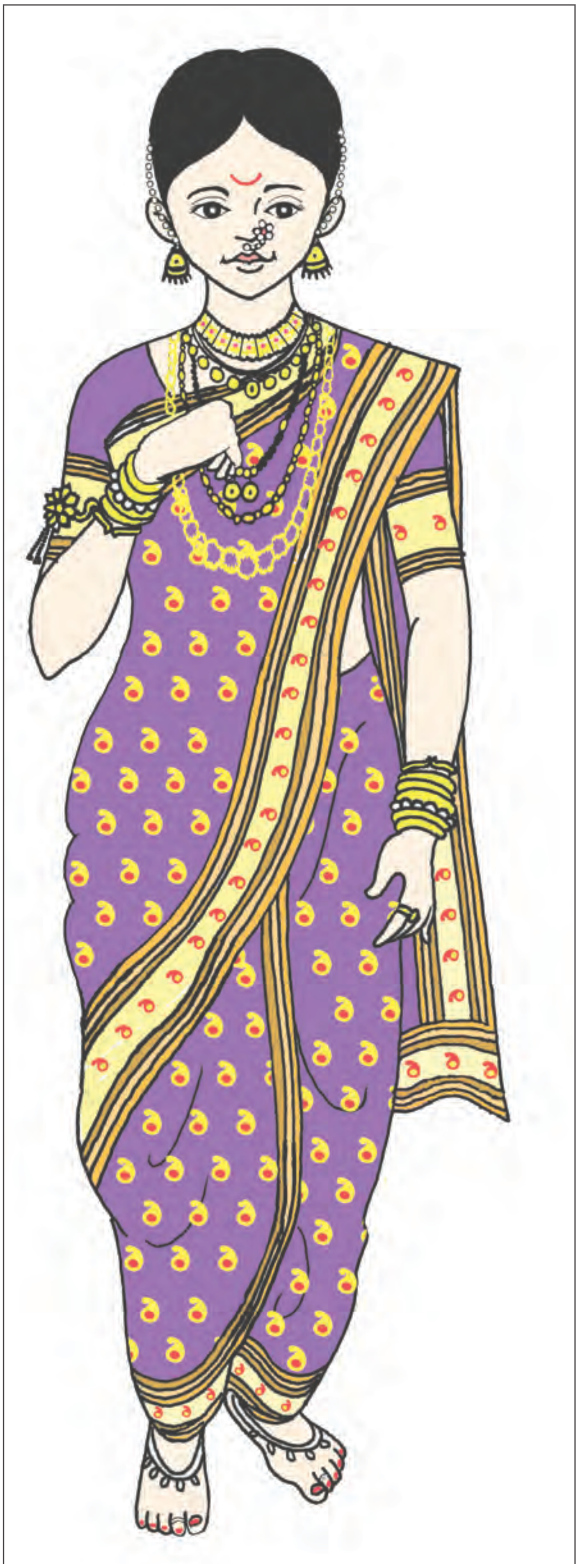

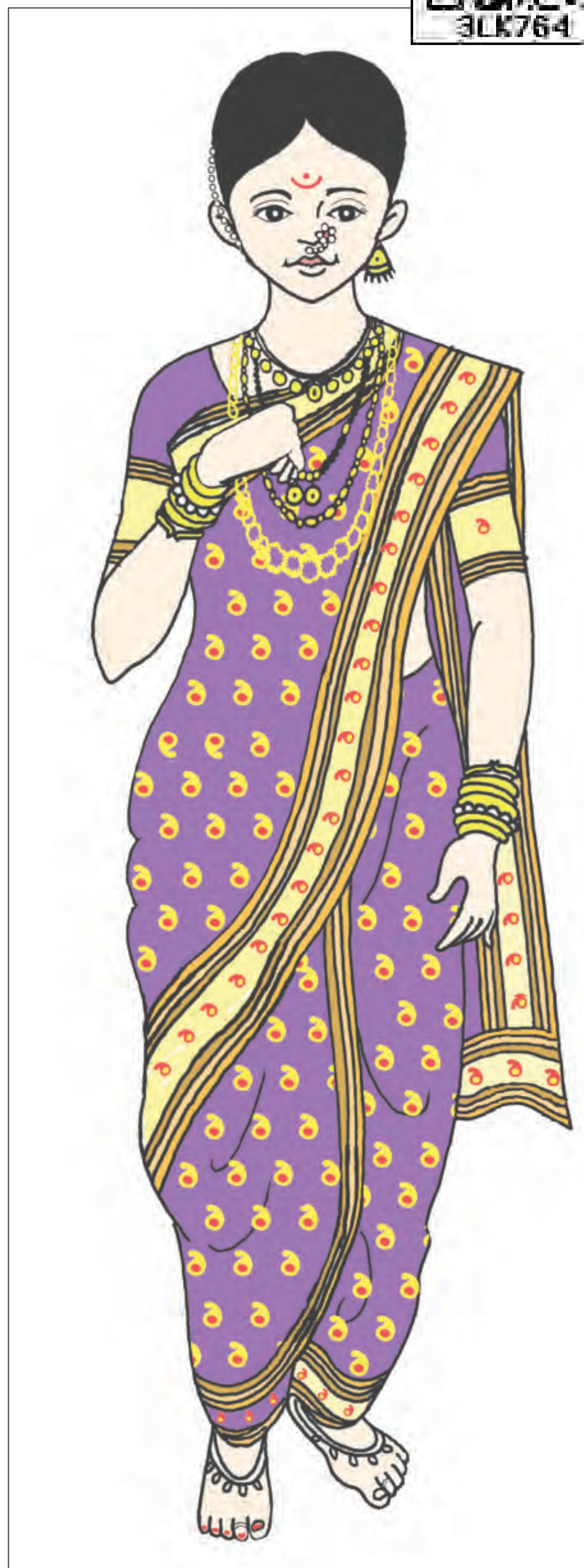

❑ ऊपर बने चित्रों का ध्यान से निरीक्षण करने के लिए कहें । चित्रों में १० अंतर दिए गए हैं, विद्‍यार्थियों से उन्हें ढूँढ़ने के लिए कहें ।

• कार्यानुभव – सुनो, समझो और बनाओ :

८. नाव

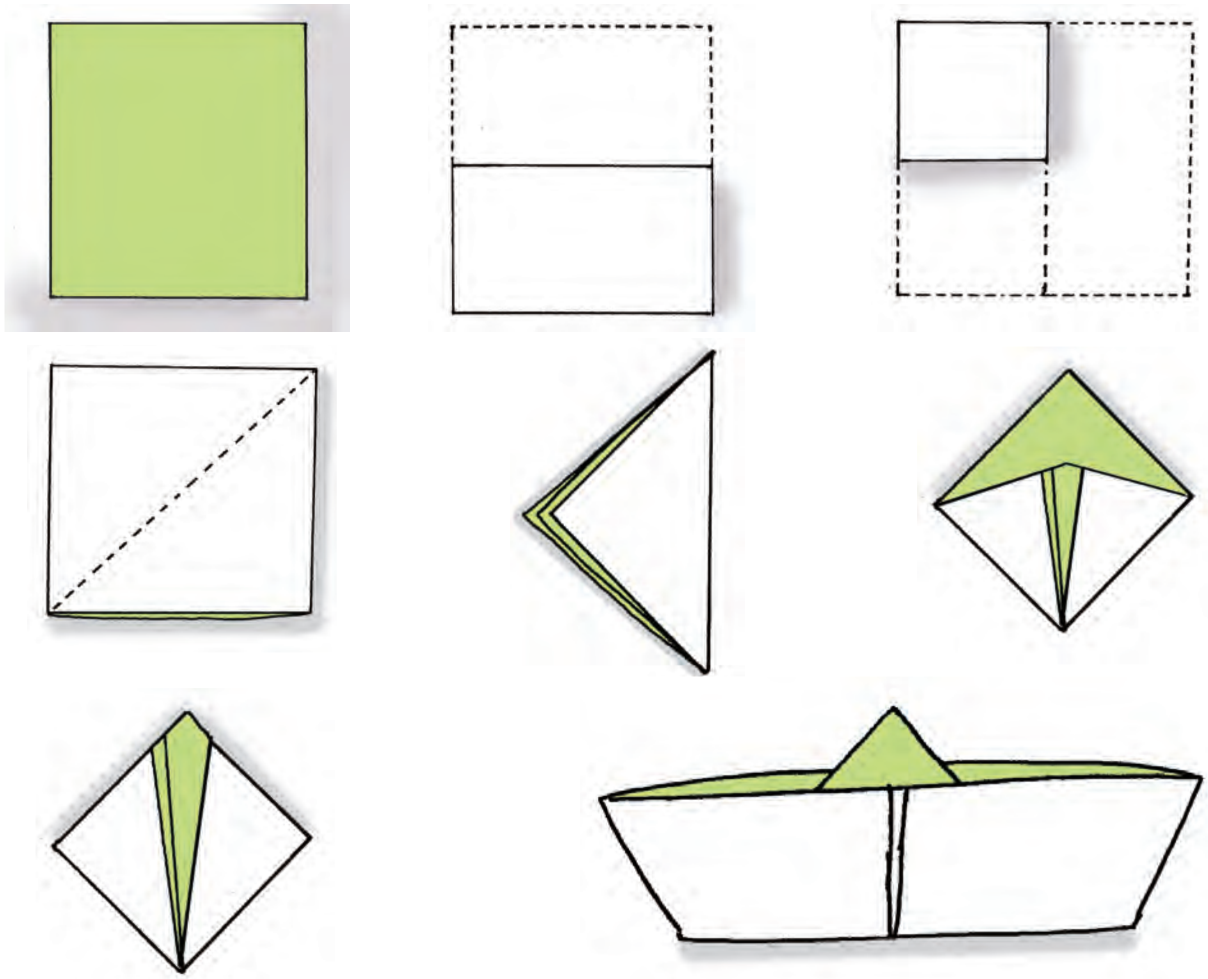

(१) एक चौकोन रंगीन कागज लो । (२) कागज को आधा मोड़ो । (३) आधे कागज को फिर मोड़ो । अब कागज एक चौथाई बनेगा । (४) एक चौथाई कागज के एक सिरे को एक तरफ मोड़ो । (५) बाकी तीन सिरों को दूसरी तरफ मोड़ो । (६) तिकोने कागज को खोलो । उसे मध्यभाग से मोड़कर दोनों ओर के अन्य सिरों को एक-दूसरे से मिलाओ ।
(७) अब उसे उलटा करो । ऊपर के सिरों को खोलो और नाव का आकार दो ।
(८) लो तैयार हो गई तुम्हारी नाव !

3LU37R

❑ चित्रों का निरीक्षण करवाएँ । नाव बनाने की प्रक्रिया पढ़ें/पढ़वाएँ और उसपर चर्चा करवाएँ । उचित मार्गदर्शन करते हुए विद्यार्थियों से नाव बनवाएँ । बचपन में नाव से खेलने के उनके अनुभव सुनाने के लिए कहें । इसी प्रकार कागज से नाव, पतंग आदि बनवाएँ ।

१५ C M Y K

● आत्मकथा – सुनो, पढ़ो और लिखो :

९. मैं तितली हूँ

बच्चो ! क्या मुझे पहचानते हो ? तुम समझ ही गए होगे कि मैं तितली हूँ । यहाँ–वहाँ उड़ती, अनेक आकार–प्रकार की रंग–बिरंगी तितलियाँ तुम सबने देखी होंगी ।

मेरे शरीर के सिर, वक्ष और उदर तीन भाग हैं । मेरे तीन जोड़ी पैर होते हैं । मेरे सिर पर आँखें होती हैं । फूलों का रस मेरा भोजन है । इसे पाने के लिए मैं एक फूल से दूसरे फूल पर मँड़राती रहती हूँ । मैं अपनी सूँड़ से फूलों का रस पीती हूँ ।

मैं जानती हूँ कि तुम बच्चों को मेरा रंग–रूप, विशेषकर पंख बहुत सुंदर लगते हैं । तुम्हारी जानकारी के लिए बताती हूँ कि मेरे दो जोड़ी पंख होते हैं । इनपर कई रंगों के आकर्षक चकत्ते होते हैं । एक बात का मुझे बहुत दुख है कि तुम बच्चे प्रायः मुझे पकड़कर अपनी पुस्तक या कॉपी में बंद करके रख देते हो । इससे मेरी मृत्यु हो जाती है ।

बच्चो ! मैं लंबे समय तक तुम लोगों के साथ रहना चाहती हूँ । इसलिए शपथ लो कि आज से तुम लोग मुझे पकड़ोगे नहीं । अच्छा चलती हूँ, बहुत भूख लग रही है । मुझे उस गेंदे के फूल का रस भी पीना है । नमस्ते !

❑ उचित आरोह–अवरोह के साथ पाठ का वाचन करें । विद्यार्थियों से मुखर वाचन कराएँ । आत्मकथात्मक शैली संबंधित चर्चा करें । विद्यार्थियों को अपने बारे में आत्मकथन शैली में बोलने के लिए प्रेरित करें । इसको कहानी के रूप में लिखवाएँ ।

स्वाध्याय

१. **मोटू-पतलू का किस्सा सुनकर अपने मित्रों /सहेलियों को सुनाओ ।**

२. **निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी बताओ :**

पैर, आँख, पंख, फूल, नाव, गाँव, किसान, पानी, शरारती, पेड़, हाथ, भोजन, सहायता ।

३. **वाक्यों का मुखर वाचन करो, समझो और विरामचिह्नों का उचित उपयोग करो :**

(क) मेरे शरीर के सिर वक्ष और उदर तीन भाग हैं

(ख) क्या मुझे पहचानते हो

(ग) नमस्ते

(घ) अच्छा चलती हूँ बहुत भूख लगी है

४. **उत्तर लिखो :**

(च) तितली के शरीर के कितने भाग होते हैं ?

(छ) तितली का भोजन क्या है ?

(ज) भोजन पाने के लिए तितली कहाँ मँड़राती है ?

(झ) तितली ने कौन-सी शपथ लेने के लिए कहा ?

3H3Y9E

५. **गेंदे के फूल से क्या-क्या बनाया गया है, चित्र देखकर बताओ :**

६. **उड़ती पतंग के माँझे से घायल होकर एक कबूतर रास्ते में गिरा है, ऐसे में तुम क्या करोगे ?**

* **व्यावहारिक सृजन – सुनो, समझो और करो :**

१०. सप्ताह का अंतिम दिन

सप्ताह का अंतिम दिन था । कक्षा में आते ही बहन जी ने विद्‌यार्थियों के चेहरे देखकर समझ लिया कि आज उनकी पढ़ने की इच्छा नहीं है । उन्होंने कहा, "बच्चो ! आज हम पढ़ाई नहीं करेंगे ।" बच्चे खुशी से उछल पड़े । बहन जी सबको शांत कराती हुई बोलीं, " सब एक पंक्ति में खड़े हो जाओ । अब हम सब मैदान में पेड़ के नीचे चलेंगे ।" सभी बच्चे पंक्तिबद्‌ध होकर पेड़ के नीचे आ गए । बहन जी ने सबको अर्धगोलाकार में बैठने की सूचना दी । सभी बच्चे फटाफट बैठ गए ।

बहन जी ने पहले से ही परचियाँ बना ली थीं । परचियों में किसान, रसोइया, दूधवाला, सब्जीवाला, डॉक्टर आदि के नाम तथा भोजन बनाने की विविध कृतियाँ लिखी हुई थीं । उन्होंने कहा, "बारी-बारी से सभी आकर एक-एक परची उठाएँगे । परची लेने के बाद सोचने के लिए पाँच मिनट का समय मिलेगा । मैं कोई एक उपस्थिति क्रमांक बोलूँगी । उस क्रमांक का विद्‌यार्थी परची के विषय के अनुसार सामने आकर अभिनय करेगा । शेष सभी विद्‌यार्थी अभिनय के बाद उस व्यवसाय का नाम बताएँगे ।" फिर क्या था, अभिनय का खूब रंग जमा । विद्‌यार्थियों ने एक से बढ़कर एक अभिनय किए । बहन जी ने सभी के अभिनय की खूब प्रशंसा की और आवश्यक मार्गदर्शन भी किया । विद्‌यार्थी बहुत प्रसन्न थे । घर जाकर उन्होंने अपना-अपना अभिनय परिवार के सदस्यों के सामने प्रस्तुत किया । घरवालों ने भी खूब शाबाशी दी । बच्चों ने सोचा कि सप्ताह का अंतिम दिन अच्छा बीता ।

❑ उचित उच्चारण आरोह-अवरोह के साथ पाठ का वाचन करते हुए सुनिश्चित करें कि विद्‌यार्थी समझते हुए सुन रहे हैं । पाठ में आए विषयों के अनुसार अभिनय कराएँ । विद्‌यार्थियों से उनकी पसंद के किसी कलाकार के अभिनय की नकल करने के लिए कहें ।

स्वाध्याय

१. **सप्ताह का अपना नियोजन सुनाओ ।**

२. **तुम्हारे परिसर में कौन–कौन–सी दुकानें हैं, बताओ ।**

३. **सुविचार पढ़ो और समझो :**

(क) झूठ बोलना बुरी बात है ।

(ख) आज का काम कल पर मत छोड़ो ।

(ग) सोचो, समझो फिर करो ।

(घ) लालच बुरी बला है ।

3HCUB2

४. **चित्रों और शब्दों की जोड़ियाँ मिलाओ :**

दूधवाला   सब्जीवाला   डॉक्टर   रसोइया

५. **निम्नलिखित चित्रों को पहचानो और उनकी बोलियों/कृतियों का अभिनय करो :**

६. **तुम किन–किन कामों में पिता जी की सहायता करते हो, बताओ ।**

✻ पुनरावर्तन ✻

✻ बिंदुओं में क्रमशः पूरी वर्णमाला लिखकर जोड़ो और क्रम से बोलो :

✻ पुनरावर्तन ✻

१. १ से ५० तक की संख्याएँ सुनो और सुनाओ ।

२. अपना और अपने परिवार का विस्तार से परिचय दो ।

३. पंचतंत्र की कहानियाँ पढ़ो ।

४. दिए गए वर्णों का उपयोग करते हुए बिना मात्रावाले शब्द सुधारकर लिखो :

(क, ढ़, ग, ब, घ, ड, श, ऋ, भ, अं, ऑ, आँ, ज)

शरभत, पनगट, गघन, सहद, लगबग, आंगन, ऐनख, अँत, गढ, आँन, ढफ, अझगर, रितु ।

५. अक्षर समूह में से संतों के उचित नाम बताओ और लिखो :

ई	रा	मी	बा	
र	क	दा	बी	स
दा	तु	सी	स	ल
म	तु	रा	का	
व	ना	दे	म	

उपक्रम

माता-पिता से अपने बारे में सुनो ।	पिछले वर्ष किए अपने विशेष कार्य बताओ ।	समाचारपत्र में मुख्य समाचारों के शीर्षक पढ़ो ।	मिठाइयों की सूची बनाओ ।

• चित्रवाचन – देखो, बताओ और कृति करो :

१. किला और गढ़

युद्ध के समय शत्रुसेना से बचाव के लिए किले बनाए जाते थे । किले की दीवारें मजबूत होती हैं । उनकी संरचना परकोटेदार होती है । भारत में अनेक किले हैं । ये हमारी ऐतिहासिक धरोहर हैं ।

❑ दिए गए चित्रों का ध्यानपूर्वक निरीक्षण करने और वाक्यों को पढ़ने के लिए विद्यार्थियों को सूचना दें । चित्रवाचन करवाकर चित्रवर्णन कराएँ । किले, गढ़ों की दीवारें इतनी मजबूत क्यों बनाई गईं; इस पर चर्चा कराएँ । किले के विविध भागों को बताएँ और समझाएँ ।